द्वीप मंथन

1926 18-08-2010

Late Paras Ram
Founder Editor
The Light of Andamans

DWEEP MANTHAN **Oldest & Largest Bold Hindi Weekly**

ISSUE–36 *VOL-35* TUESDAY 07.09.2021 ANI/002/2019-2021 RNI-36766/84 Rs. 5.00

Sub-Editor
Sachchidanand Yadav

Email ID: dweepmanthan.in@gmail.com

Editor
Shyam Singh Yadav

Smt. Kiran Kumari
its founder Editor

SEVEN SINS

***Politics without principles**
***Wealth without work**
***Pleasure without conscience**
***Knowledge without character**
***Commerce without morality**
***Science without humanity**
***Worship without sacrifice.**

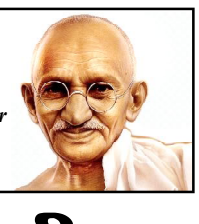

''आज की व्यवस्था में जहाँ शासन और पूँजी दोनों का शिकंजा है, पत्रकारों की जिम्मेदारी, सत्य और समाज हित के प्रति और बढ़ जाती है। आज राजनीति रूढ़िग्रस्त है। समय कठिन है, परन्तु यही हम सबकी परीक्षा का समय है। यदि पत्रकारों ने अपनी अस्मिता और निष्ठा बेच दी, जिसके लिए बहुत प्रलोभन है तो समाज जहाँ है वहीं रह जायेगा। असत्य से संघर्ष ही पत्रकार का सच्चा धर्म है।''

दस मोती ज्ञान के

जीतने के लिए कोई चीज है तो – प्रेम	लेने के लिए कोई चीज है तो – ज्ञान
पीने के लिए कोई चीज है तो – क्रोध	कहने के लिए कोई चीज है तो – सत्य
खाने के लिए कोई चीज है तो – ग़म	पाने के लिए कोई चीज है तो – इज्ज़त
देने के लिए कोई चीज है तो – दान	फ़ेंकने के लिए कोई चीज है तो – ईर्ष्या
रखने के लिए कोई चीज है तो – दया	छोड़ने के लिए कोई चीज है तो – मोह

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी एडवाइजरी के अनुसार मुख्य सचिव ने पूरे द्वीपसमूह में कोविड-19 प्रबंधन के लिए रोकथाम उपायों का अनुपालन सुनिश्चित करने के आदेश जारी किए

पोर्ट ब्लेयर, 3 सितंबर।

केंद्रीय गृह सचिव का एक आदेश 29 जून, 2021 को जारी किया गया था, ताकि देश में कोविड–19 के लिए रोकथाम उपायों का अनुपालन सुनिश्चित किया जा सके, जैसा कि स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा 28 जून, 2021 के डी.ओ. पत्र द्वारा बताया गया था, जिसे आगे एक अवधि के लिए 28 अगस्त, 2021 के एक आदेश द्वारा 30 सितंबर, 2021 तक बढ़ा दिया गया था। इसके अलावा आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 की धारा 10 (2) (1) के तहत प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में केंद्रीय गृह सचिव और राष्ट्रीय कार्यकारी समिति (एनईसी) के अध्यक्ष निर्देश देते हैं कि 28 जून, 2021 को स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की सलाह के अनुसार कोविड–19 प्रबंधन के लिए रोकथाम उपायों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए गश्ह

शेष पृष्ठ 5 पर

विमान एवं अंतर्द्वीपीय यात्रियों के नमूनों की परीक्षण रिपोर्ट नेगेटीव पायी गयी : सचिव (सू.प्र.प.)

पोर्ट ब्लेयर, 6 सितम्बर।

अंडमान निकोबार प्रशासन के सूचना प्रचार एवं पर्यटन सचिव श्री सुनील कुमार सिंह ने सूचना प्रचार एवं पर्यटन भवन के सम्मेलन सभागार में आज शाम कोविड–19 पर मीडिया कर्मियों को जानकारी देते हुए बताया कि कल विमान से यहां पहुंचे 855 यात्रियों के आरटीपीसीआर परीक्षण में कोई भी पॉजिटीव मामला नहीं पाया गया। 686 यात्रियों को लेकर आज 4 विमान पोर्ट ब्लेयर पहुंचे, जिनकी आरटीपीसीआर रिपोर्ट की प्रतीक्षा की जा रही है। उन्होंने बताया कि फरारगंज में उत्तर व मध्य अंडमान जाने वाले 223 यात्रियों का रैपिड एंटिजेन टेस्ट किया गया और सभी रिपोर्ट नेगेटीव पायी गयी। फीनिक्स बे जेटी में शहीद द्वी जाने वाले 88

शेष पृष्ठ 5 पर

कोविड प्रोटोकॉल का पालन करते हुए 6 सितंबर से खुलेंगे उच्च शिक्षण संस्थान और मिडिल स्कूल

कक्षा 6वीं से 8वीं और जनेराम, टीजीसीई, डीब्राइट, एनकॉल और एमजीजीसी के छात्रों के लिए कक्षाएं फिर से शुरू होंगी

पोर्ट ब्लेयर, 4 सितंबर।

सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुमोदन के परिणामस्वरूप द्वीपों के सभी प्रबंधन (सरकारी, सरकारी सहायता प्राप्त, निजी गैर सहायता प्राप्त और स्थानीय निकाय विद्यालयों) के कक्षा 6वीं से 8वीं के छात्रों के लिए माध्यमिक विद्यालयों की कक्षाएं 6 सितंबर, 2021 से फिर से खोल दी जाएंगी। साथ ही पांच कॉलेजों जवाहरलाल नेहरू राजकीय महाविद्याल (जनेराम), टैगोर राजकीय शिक्षा महाविद्यालय (टीजीसीई), डॉ. बी.आर. अम्बेडकर प्रौद्योगिकी संस्थान (डीब्राइट), अंडमान कॉलेज (एनकॉल) तथा महात्मा गांधी राजकीय महाविद्यालय

शेष पृष्ठ 5 पर

अनुसूचित जनजाति के छात्रों को उच्च शिक्षा के लिए अतिरिक्त छात्रवृत्ति

पोर्ट ब्लेयर, 6 सितंबर।

अंडमान निकोबार प्रशासन के जनजातीय कल्याण निदेशालय ने अंडमान निकोबार द्वीपसमूह द्वारा अधिसूचित अनुसूचित जनजाति समुदाय के छात्रों को शैक्षणिक वर्ष 2021–2022 के लिए यूटी योजना के तहत उच्च अध्ययन करने के लिए अनुसूचित जनजाति के छात्रों को अतिरिक्त छात्रवृत्ति प्रदान करने का प्रस्ताव किया है। एसटी छात्र स्नातक, स्नातकोत्तर और पोस्ट मैट्रिक स्तर के गैर–डिग्री पाठ्यक्रम, जिसके लिए शैक्षिक योग्यता व्यावसायिक विषय, आईटीआई पाठ्यक्रम, पॉलिटेक्निक में 3 वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम है, इस योजना का लाभ उठाने के लिए पात्र हैं। इस अवसर का लाभ उठाने के लिए आवेदकों को राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल (एनएसपी) की वेबसाइट www.scholarships.gov.in पर

शेष पृष्ठ 6 पर

रिश्वत और भ्रष्टाचार के प्रति शून्य सहनशीलता का दृष्टिकोण

सेवा से बर्खास्तगी का आदेश देकर रिश्वत लेने वाले वरिष्ठ अधिकारी के खिलाफ प्रशासन की कड़ी कार्रवाई

पोर्ट ब्लेयर, 5 सितंबर।

भ्रष्टाचार के प्रति शून्य सहनशीलता सुनिश्चित करने की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाते हुए अंडमान निकोबार प्रशासन ने रिश्वत मामले में शामिल होने के आरोप में प्रशासन के तहत काम कर रहे एक वरिष्ठ अधिकारी को बर्खास्त कर दिया है। उक्त अधिकारी को भ्रष्टाचार निरोधक इकाई ने रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा था और इस पर उसके खिलाफ भ्रष्टाचार निरोधक (संशोधन) अधिनियम 2018 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गयी थी।

साथ ही अधिकारी के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई भी शुरू

शेष पृष्ठ 5 पर

सेना के एनसीसी कैडेटों ने फिट इंडिया फ्रीडम रन में हिस्सा लिया

पोर्ट ब्लेयर, 5 सितम्बर।

स्वाधीनता दिवस के 75वें वर्ष की स्मृति में मनाए जा रहे 'आज़ादी का अमृत महोत्सव' के एक भाग के रूप में गत 4 सितम्बर, 2021 को दक्षिण अंडमान की संख्या–1 (अंडमान तथा निकोबार) इंडिपेंडेंट इन्फेन्ट्री कंपनी की एनसीसी इकाई द्वारा नेताजी सुभाष चन्द्र बोस फ्लैग प्वाइंट से विज्ञान केन्द्र तक फिट इंडिया फ्रीडम रन का आयोजन किया गया, जिसमें सेना के सीनियर डिवीजन, सीनियर विंग तथा जूनियर डिवीजन के 50 एनसीसी कैडेटों ने भाग लिया।

शेष पृष्ठ 2 पर

सांसद ने शिक्षक दिवस पर शिक्षकों को दी शुभकामनाएँ

पोर्ट ब्लेयर, 4 सितंबर।

अंडमान निकोबार द्वीपसमूह के सांसद श्री कुलदीप राय शर्मा ने शिक्षक दिवस के अवसर पर अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह के पूरे शिक्षण बिरादरी को अपनी हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। एक संदेश में सांसद ने कहा कि शिक्षक दिवस एक बच्चे को शिक्षित करने के लिए शिक्षकों की साल भर की कड़ी मेहनत और समर्पण के लिए एक श्रद्धांजलि है।

शिक्षक दिवस डॉ. सर्वपल्ली राधाकश्ष्णन को समर्पित है, जो भारत के पहले उप राष्ट्रपति और दूसरे राष्ट्रपति होने के अलावा शिक्षा के सबसे कट्टर अधिवक्ताओं में से एक थे और सभी समय के सबसे महान विद्वानों और शिक्षकों में से एक थे। उन्होंने कहा कि महामारी के समय में हमारे शिक्षकों ने समर्पण और जिम्मेदारी की जबरदस्त भावना दिखाई है क्योंकि उन्हें वर्चुअल मीडिया के माध्यम से अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह के विभिन्न दूरदराज के कोनों में छात्रों तक पहुंचने की चुनौती का सामना करना पड़ा था।

संदेश में आगे कहा गया है कि शिक्षकों और उनके अनुभवों का प्रभाव छात्रों पर जीवन भर बना रहता है।

हमारे छात्र जब वे शैक्षिक संस्थानों से बाहर आते हैं, तो वे समाज के लिए रोजगार योग्य, शिक्षित, जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए अत्यधिक प्रेरित, पर्यावरण के प्रति संवेदनशील, नैतिक व्यक्ति और सबसे बढ़कर एक अच्छे इंसान होने चाहिए।

सांसद ने कहा कि अध्यापन सिर्फ एक और पेशा नहीं है, बल्कि बच्चों का मार्गदर्शन और ज्ञानवर्धन करना एक ईश्वरीय जिम्मेदारी है, जो हमारे देश का भविष्य हैं।

इंजीनियर दिवस

पोर्ट ब्लेयर, 4 सितंबर।

यहां के इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) के अंडमान और निकोबार राज्य केन्द्र की कार्यकारी समिति 15 सितंबर,2021 को मोहनपुरा के अलबनिका के सम्मेलन हॉल में इंजीनियर्स दिवस मनाएगी। तकनीकी प्रस्तुतियाँ "कोविड का मुकाबला करने में कौशल विकास और रोजगार के लिए इंजीनियर्स" विषय पर होंगी। प्रस्तुति के लिए इच्छुक इंजीनियर अपनी प्रस्तुति सॉट और हार्ड कॉपी में अंडमान निकोबार राज्य केंद्र के अवैतनिक सचिव को 10 सितंबर, 2021 तक प्रस्तुत करेंगे। किसी भी अन्य स्पष्टीकरण के लिए अंडमान और निकोबार राज्य केन्द्र, पोर्ट ब्लेयर के अवैतनिक सचिव से मोबाइल नंबर–9434288234 पर संपर्क किया जा सकता है।

पत्तन प्रबंधबोर्ड
अंडमान तथा निकोबार द्वीपसमूह

ई-निविदा सूचना

ई-निविदा संख्या 7075 दिनांक: 03.09.2021

पत्तन प्रबंधबोर्ड की **पोर्ट ब्लेयर, विजाग और कोलकाता पोर्ट में स्थापित 4 नग स्मिथस हेमन्न (HI SCAN 100 100V) एक्स-रे बैगेज निरीक्षण प्रणाली के लिए व्यापक वार्षिक रखरखाव अनुबंध** के लिए निविदाएं आमंत्रित कर रहे हैं। ई-निविदाएं दस्तावेज वेबसाइट www.eproc.andaman.gov.in द्वारा 04.09.2021 से 27.09.2021 को1200 बजे तक प्राप्त किए जा सकते है। हालांकि, निविदा www.eproc.andaman.gov.in लिंक पर ऑनलाइन जमा करना होगा।

eproc.andaman.gov.in/Tender ID: 2021_TCELL_3697_1
eprocure.gov.in/Tender ID: 2021_PMB_622337_1
Advt. ID: 7992
2021/MediaRelease/646

राजभवन में भारतीय तिब्बत सीमा पुलिस के पर्वतारोहण अभियान का फ्लैग-इन कार्यक्रम आयोजित

शिमला । भारतीय तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के सेक्टर मुख्यालय शिमला के पर्वतारोहण अभियान का फ्लैग–इन कार्यक्रम आज राजभवन में आयोजित किया गया, जिसकी अध्यक्षता राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने की।

एक 28 सदस्यीय दल 6794 मीटर ऊंची ग्या चोटी पर पहुंचने में सफल रहा। इस चोटी को चढ़ने की दृष्टि से सबसे कठिन और तकनीकी चोटियों में से एक माना जाता है। इस दल को 24 जुलाई 2021 को आईटीबीपी के क्षेत्रीय मुख्यालय शिमला के डीआईजी प्रेम सिंह ने झंडी दिखाकर रवाना किया था।

यह दल 24 जुलाई, 2021 को चुमार के लिए रवाना हुआ और कठिन और दुर्गम मार्ग के बाद 12 अगस्त, 2021 को इस दल ने शिखर को फतह किया। दल के नौ सदस्यों ने उप–कमांडर कुलदीप सिंह और सहायक कमांडर अनमोल श्रीवास के नेतृत्व में चोटी पर सफलतापूर्वक चढ़ाई की। दल में वयोवश्द्ध सदस्य जिला किन्नौर के सीमावर्ती गांव छितकुल के हेड कांस्टेबल प्रदीप नेगी थे, जिन्होंने दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट को भी सफलतापूर्वक दो बार फतह किया है।

इस अवसर पर राज्यपाल ने विजयी दल के सभी सदस्यों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि इस तरह के अभियान न केवल सैनिकों में नेतृत्व, जुड़ाव, अनुशासन और आत्मविश्वास का विकास करते हैं बल्कि अनिश्चित और महत्वपूर्ण परिस्थितियों का सामना करने की क्षमता भी बढ़ाते हैं। उन्होंने कहा कि पर्वतारोहण अभियान पर्यावरण और स्वच्छता के प्रति जागरूकता पैदा करते हैं। उन्होंने हिमाचल प्रदेश में किए गए विभिन्न राहत व बचाव कार्यों और भारत–तिब्बत सीमाओं की अखंडता की रक्षा के लिए आईटीबीपी की सराहना की।

आर्लेकर ने कहा कि आईटीबीपी के जवान कठिन और दुर्गम परिस्थितियों में उत्कृष्ट सेवाएं दे रहे हैं और हम सभी को उन पर गर्व है। उनका एक गौरवशाली अतीत है जिसे युवा पीढ़ी को जानना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस तरह के अभियान उत्साहवर्धक होती हैं और युवाओं को भी प्रेरित करती हैं। महामारी के बावजूद इस तरह के अभियान का आयोजन समाज और पूरे देश के लिए एक सकारात्मक संदेश है।

डीआईजी प्रेम सिंह ने राज्यपाल का स्वागत और आईटीबीपी की गतिविधियों का विवरण दिया। उन्होंने बताया कि आईटीबीपी की साहसिक खेलों जैसे रॉक क्लाइंबिंग, पर्वतारोहण, स्कीइंग, रिवर–राफ्टिंग, माउंटेन बाइकिंग और पैराग्लाइडिंग आदि में विशेषज्ञता है और यह विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन भी करता है। उन्होंने कहा कि आईटीबीपी कर्मियों ने विभिन्न अवसरों पर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों में भाग लेकर और जीतकर देश को गौरवान्वित किया है।

अभियान दल ने पर्वतारोहण उपकरण भी प्रदर्शित किए जिसमें राज्यपाल ने गहरी रुचि दिखाई। अभियान का नेतश्त्व करने वाले कुलदीप सिंह ने इस अवसर पर पावरप्वांइट प्रेजेंटेशन दी और माउंट ग्या के पर्वतारोहण अभियान के बारे में जानकारी दी। स्टाफ कमांडेंट केदार सिंह रावत ने इस अवसर पर धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव प्रियतु मंडल और आईटीबीपी के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

सेना के एनसीसी कैडेटों ने फिट ..... पृष्ठ 1 का शेष

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार इसी प्रकार सरकारी स्कूलों के जूनियर डिवीजन एनसीसी कैडेटों की ओर से कैम्पबेल बे, डिगलीपुर तथा रंगत में फिट इंडिया फ्रीडम रन का आयोजन किया गया, जिसमें 60 एनसीसी कैडेटों ने भाग लिया। फ्रीडम रन में कुल मिलाकर 110 सेना एनसीसी कैडेटों ने हिस्सा लिया। फिटनेस गतिविधियों को चलाने के लिए एएनओ, कैडेटों तथा एनसीसी अधिकारियों को प्रोत्साहित करने के लिए फिट इंडिया रन की योजना बनायी गयी।

प्रधानमंत्री ने प्रदेश के कोरोना योद्धाओं, स्वास्थ्य कर्मियों और लाभार्थियों से किया वैक्सीन संवाद-- हिमाचल प्रदेश वैक्सीनेशन अभियान का चैम्पियन बना- प्रधानमंत्री

शिमला । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज नई दिल्ली से वर्चुअल माध्यम द्वारा प्रदेश के कोरोना योद्धाओं और लाभार्थियों के साथ वैक्सीन संवाद के बाद प्रदेश की जनता को सम्बोधित किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर पीटरहॉफ शिमला में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में शामिल हुए। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और सांसद जगत प्रकाश नड्डा और केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर नई दिल्ली से कार्यक्रम में शामिल हुए।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रदेश सरकार और प्रदेशवासियों को बधाई देते हुए कहा कि शत–प्रतिशत पात्र लाभार्थियों को कोरोना वैक्सीन की पहली खुराक देने में हिमाचल प्रदेश चैम्पियन बन कर सामने आया है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि दूसरी खुराक का शत–प्रतशत लक्ष्य हासिल करने में भी हिमाचल प्रदेश प्रथम स्थान पर रहेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश ने यह लक्ष्य प्रदेश सरकार की कार्य कुशलता और जन–जागरूकता के परिणामस्वरूप हासिल किया है।

उन्होंने वैक्सीनेशन अभियान को सफल बनाने में राज्य सरकार के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने छोटी–छोटी सुविधाओं के लिए जूझते हुए हिमाचल को देखा है और आज विकास की गाथा लिखने वाले हिमाचल को भी देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि पात्र व्यक्तियों को कोविड–19 वैक्सीन की पहली डोज लगाने में हिमाचल देश भर में पहला राज्य बना है, जबकि दूसरी डोज के मामले में हिमाचल एक तिहाई आबादी को कवर कर चुका है। हिमाचल के इस कदम ने अहसास दिलाया है कि आत्मनिर्भर होना कितना जरूरी है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रदेश ने संस्कृति को विज्ञान से जोड़ा है और वैक्सीनेशन लक्ष्य हासिल कर देश का भी आत्मविश्वास बढ़ाया है। हिमाचल प्रदेश ने स्वयं की क्षमता पर विश्वास किया और तय लक्ष्य हासिल किया। यह उपलब्धि सभी के बुलंद हौंसलों का परिणाम है। इसमें महिलाओं की भूमिका बहुत अह्म रही है। पहाड़ी व कठीन भौगोलिक क्षेत्र होने के बावजूद हिमाचल प्रदेश सरकार ने वैक्सीनेशन के लिए जिस प्रकार की व्यवस्था बनाई वह प्रशंसनीय है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने तीव्र टीकाकरण बिना वेस्टेज के सुनिश्चित किया है। जन संवाद व जनभागीदारी टीकाकरण की सफलता का पहलू है।

उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश ने सिद्ध कर दिया है कि आस्था, शिक्षा और विज्ञान सब मिलकर बहुत बड़ा बदलाव ला सकते हैं। नरेन्द्र मोदी ने कहा कि तीव्र टीकाकरण और सम्पर्क सुविधा से प्रदेश को बहुत लाभ मिलेगा। उन्होंने प्रदेश में भू–सर्वेक्षण करने और भूस्खलन की पूर्व चेतावनी के लिए ड्रोन तकनीक का उपयोग करने का परामर्श दिया। उन्होंने जैविक खेती को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि हिमाचल के वीर जवानों की तरह राज्य के किसान भी मिट्टी की सुरक्षा में अग्रणी भूमिका निभाएंगे।

उन्होंने कहा कि भारत इस समय एक दिन में सवा करोड़ टीके लगाने का रिकार्ड बना रहा है। हिमाचल ने स्वंय की क्षमता और अपने स्वास्थ्य कर्मियों और वैज्ञानिकों पर विश्वास किया। इस सफलता का श्रेय डॉक्टरों, पैरा–मैडिकल स्टाफ तथा हिमाचल की महिलाओं को जाता है। उन्होंने कहा कि हिमाचलवासियों ने वैक्सीन के बारे में किसी भी अफवाह पर विश्वास नहीं किया। हिमाचल इस बात का गवाह है कि ग्रामीण समाज दुनिया के सबसे बड़े टीकाकरण को सफल बना रहा है जिसका लाभ हिमाचल के पर्यटन क्षेत्र को मिलेगा। उन्होंने कहा कि लोगों को फिर भी कोरोना नियमों का पालन करना होगा।

प्रधानमंत्री ने हिमाचल प्रदेश में कनेक्टिविटी बढ़ाने और विकास कार्यों में आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल को बढ़ावा देने की बात कही। उन्होंने कहा कि ड्रोन हिमाचल के दुर्गम क्षेत्रों के लिए वरदान साबित हो सकता है और यह स्वास्थ्य से लेकर कृषि और बागवानी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इसके अतिरिक्त दुर्गम क्षेत्रों में जीवनरक्षक दवाएं और महत्वपूर्ण सामान आसानी से भेजने में भी इसका उपयोग किया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि गांव और समुदाय को जोड़ने से कई सार्थक परिणाम देखने को मिल रहे हैं। उन्होंने प्रदेश में जल जीवन मिशन की सफलता सराहना करते हुए कहा कि हिमाचल के जंगलों में जड़ी–बूटियों की व्यापक सम्भावनाएं हैं, जिसके लिए गांवों और स्वयं सहायता समूहों में भागीदारी बढ़ाए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने आजादी के अमश्त वर्ष में हिमाचल के किसानों और बागवानों से आगामी 25 वर्षों में पूरी तरह जैविक खेती अपनाने का आग्रह किया।

प्रधानमंत्री ने प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं तथा विकासात्मक कार्यक्रमों की भी सराहना की। प्रधानमंत्री ने जिला शिमला के डोडरा क्वार नागरिक अस्पताल के डॉ. राहुल, जिला मण्डी के थुनाग के दयाल सिंह, जिला कुल्लू के मलाणा की आशा कार्यकर्ता निरमा देवी, जिला हमीरपुर से निर्मला देवी, जिला ऊना से करमो देवी और लाहौल–स्पीति से नवांग उपासक से संवाद किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने प्रधानमंत्री का स्वागत करते हुए प्रदेशवासियों से संवाद के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतश्त्व और दूरदृष्टि के कारण भारत ने अल्पावधि में ही वैश्विक कोरोना महामारी से निपटने के लिए वैक्सीन का सफल उत्पादन किया है। इन्हीं प्रयासों के फलस्वरूप हिमाचल प्रदेश ने कोविड वैक्सीनेशन अभियान के तहत अपनी शत–प्रतिशत व्यस्क आबादी को पहली डोज देने का लक्ष्य प्राप्त कर लिया है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार से वैक्सीन की निरंतर आपूर्ति के परिणामस्वरूप हिमाचल प्रदेश ने निर्धारित 18 वर्ष से अधिक आयु की जनसंख्या को पहली डोज देने का लक्ष्य हासिल कर देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

उन्होंने कहा कि इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्रदेश में कोल्ड चेन प्लांट, परिवहन व्यवस्था और मानव संसाधन की क्षमता बढ़ाने के साथ–साथ लाभार्थी जुटाने से सम्बन्धित जमीनी कार्य पूरा किया गया। 16 जनवरी, 2021 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किए गए राष्ट्रव्यापी लॉच के साथ ही प्रदेश में कार्यक्रम की शुरूआत की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने पूरे राष्ट्र को संबल दिया और स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं तथा इस अभियान से जुड़ी पूरी टीम के सशक्त प्रयासों के कारण प्रदेश ने इस लक्ष्य को हासिल करने में सफलता प्राप्त की। उन्होंने आशा व्यक्त की कि आगामी नवम्बर माह के अन्त तक प्रदेश की शत–प्रतिशत व्यस्क आबादी को वैक्सीन की दूसरी डोज देने का लक्ष्य भी हासिल कर लिया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 3 सितम्बर, 2021 तक 55,28,648 लोगों को कोविड वैक्सीन की पहली डोज दी जा चुकी है और 17,92,715 लोगों का दो डोज के साथ पूर्ण टीकाकरण किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि वैक्सीनेशन केन्द्र स्तर तक की स्वास्थ्य टीमों को विशेष रूप से जीरो वेस्टेज के बारे में प्रशिक्षण दिया गया, जिसके परिणामस्वरूप प्रदेश में वैक्सीन की जीरो वेस्टेज सुनिश्चित हो पाया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में जिन–जिन क्षेत्रों में कोविड वैक्सीनेशन के प्रति संशय था वहां सही जानकारी प्रदान कर जागरूकता लाने के प्रयास किए गए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन और केन्द्र सरकार के सहयोग से प्रदेश सरकार ने कोरोना महामारी के दौरान भी अर्थव्यवस्था को सुचारू बनाए रखा और वैक्सीनेशन अभियान की गति को कम नहीं होने दिया।

मुख्य सचिव राम सुभग सिंह ने कार्यक्रम का संचालन किया और कार्यक्रम में शामिल होने के लिए प्रधानमंत्री का धन्यवाद किया। इस अवसर पर हिमाचल में वैक्सीनेशन अभियान पर आधारित वृतचित्र भी प्रदर्शित किया गया। इस कार्यक्रम का प्रदेश के सभी जिलों में 135 एलईडी के माध्यम से सीधा प्रसारण किया गया।

इस अवसर पर शहरी विकास मंत्री सुरेश भारद्वाज, सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. राम लाल मारकण्डा, उद्योग मंत्री बिक्रम सिंह, स्वास्थ्य मंत्री डॉ. राजीव सैजल, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद सुरेश कश्यप, प्रदेश के विधायकगण, मुख्यमंत्री के सलाहकार त्रिलोक जम्बाल, अतिरिक्त मुख्य सचिव व मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव जे.सी. शर्मा, प्रधान सचिव लोक निर्माण सुभाशीष पांडा, स्वास्थ्य सचिव अमिताभ अवस्थी, प्रबन्ध निदेशक हिमाचल प्रदेश पर्यटन विकास निगम अमित कश्यप, मिशन निदेशक एनएचएम हेमराज बैरवा, निदेशक सूचना एवं जन सम्पर्क हरबंस सिंह ब्रसकोन, प्रदेश सरकार के वरिष्ठ अधिकारी, कोरोना योद्धा, स्वास्थ्य कार्यकर्ता और पंचायती राज संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

नौसेना ने पसंदीदा सुरक्षा साझेदार होने के देश के दृष्टिकोण को रेखांकित किया : राष्ट्रपति कोविंद

पणजी। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने सोमवार को यहां पास स्थित आईएनएस हंस पर एक रस्मी परेड में भारतीय नेवल एविएशन को 'राष्ट्रपति का ध्वज' (प्रेसीडेंट्स कलर) प्रदान किया और कहा कि संकट के समय में नौसेना की त्वरित एवं प्रभावी तैनाती ने हिंद महासागर क्षेत्र में 'प्रथम प्रतिक्रिया देने' और 'पसंदीदा सुरक्षा साझेदार' बनने के देश के दृष्टिकोण को रेखांकित किया है। इस अवसर पर नौसेना ने राष्ट्रपति को 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया। गोवा के तीन दिवसीय दौरे पर आए राष्ट्रपति ने नौसेना प्रमुख एडमिरल करमबीर सिंह की मौजूदगी में नेवल एविएशन को 'राष्ट्रपति का ध्वज' प्रदान किया। पणजी से करीब 40 किमी दूर वास्को में स्थित आईएनएस हंस नौसैन्य अड्डे पर हुए इस कार्यक्रम को राष्ट्रपति ने संबोधित किया।

इसमें गोवा के राज्यपाल पीएस श्रीधरन पिल्लई, मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत तथा अन्यअतिथि मौजूद थे। राष्ट्र की अद्वितीय सेवा के लिये किसी भी सैन्य इकाई को प्रदान किया जाने वाला 'राष्ट्रपति का ध्वज' सर्वोच्च सम्मान होता है। इस अवसर पर कोविंद ने कहा, ''भारतीय नौसेना ने सभी क्षेत्रीय प्रतिबद्धताओं को पूरा करने और हिंद–प्रशांत क्षेत्र में अपने मित्रों एवं साझेदारों के साथ राजनयिक संबंधों को बढ़ाने के लिए उल्लेखनीय प्रयास किए हैं।'' उन्होंने कहा कि भारत की कोविड–19 को लेकर मदद संबंधी पहुंच के लिए 'ऑपरेशन समुद्र सेतु' और 'मिशन सागर' जैसे अभियानों के साथ नौसेना ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, उसने हिंद महासागर क्षेत्र में समुद्री पड़ोसियों और साझेदारों को सहायता पहुंचाई।

राष्ट्रपति ने कहा, ''संकट के समय में भारतीय नौसेना की त्वरित एवं प्रभावी तैनाती ने 'पसंदीदा सुरक्षा साझेदार' और 'प्रथम प्रतिक्रिया' वाला देश बनने की भारत की सोच को रेखांकित किया है।'' उन्होंने कहा कि देश की समुद्री सीमाओं की सुरक्षा के अलावा वह नौसेना की एक विशेष उपलब्धि को रेखांकित करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, ''मुझे बताया गया कि भारतीय नौसेना ने स्वदेशीकरण को सक्रिय रूप से अंगीकार किया है। यह नौसेना की वर्तमान एवं भविष्य की अधिग्रहण योजनाओं में झलकता है जिसके पीछे स्वदेशीकरण की ताकत है।'' कोविंद ने कहा कि बल में महिलाओं को शामिल करने में भी नेवल एविएशन अग्रणी है। उन्होंने कहा, ''नेवल एविएशन में 150 हवाई यातायात नियंत्रण अधिकारियों में से करीब 84 अर्थात 50 फीसदी से अधिक महिलाएं हैं और 400 पर्यवेक्षकों में से 75 महिलाएं हैं। मुझे बताया गया कि महिला पायलटों को नेवल एविएशन में शामिल किया गया। यह एक स्वस्थ चलन है जिसे प्रोत्साहित करना चाहिए।''

राष्ट्रपति ने अनेक मानवीय सहायता एवं आपदा राहत अभियानों में नेवल एविएशन के योगदान की सराहना की। नौसेना के प्रवक्ता ने एक विज्ञप्ति में बताया कि भारतीय सशस्त्र बलों में भारतीय नौसेना को सबसे पहले यह सम्मान मिला था, जब भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने 27 मई, 1951 को उसे ध्वज प्रदान किया था। उसके बाद 'राष्ट्रपति का ध्वज' नौसेना के दक्षिणी कमान, पूर्वी कमान, पश्चिमी कमान, पूर्वी बेड़े, पश्चिमी बेड़े, पनडुब्बी इकाई, आईएनएस शिवाजी और भारतीय नौसेना अकादमी को भी प्राप्त हुआ। उन्होंने बताया कि भारतीय नेवल एविएशन उस समय अस्तित्व में आया, जब 13 जनवरी, 1951 को पहला सी–लैंड हवाई जहाज खरीदा गया तथा 11 मई, 1953 को पहला नौसेना हवाई स्टेशन आईएनएस गरुड़ का लोकार्पण किया गया था। आज, भारतीय नेवल एविएशन के पास नौ हवाई स्टेशन और तीन नौसेना वायु क्षेत्र हैं। ये सभी भारत की तटरेखा और अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह में स्थित हैं। पिछले सात दशकों के दौरान, नेवल एविएशन आधुनिक, प्रौद्योगिकी आधार पर उन्नत और अत्यंत सक्षम बल के रूप में विकसित हो चुका है। इस समय उसके पास 250 से अधिक युद्धक विमान हैं, जिनमें विमान वाहक पोतों पर तैनात लड़ाकू जहाज, समुद्र में टोह लेने वाले हवाई जहाज, हेलीकॉप्टर और दूर से यंत्र द्वारा चलाये जाने वाले हवाई जहाज शामिल हैं।

क्वाड सदस्यों के बीच कई विषयों पर समान दृष्टिकोण ने सहयोग बढ़ाने में मदद की : जयशंकर

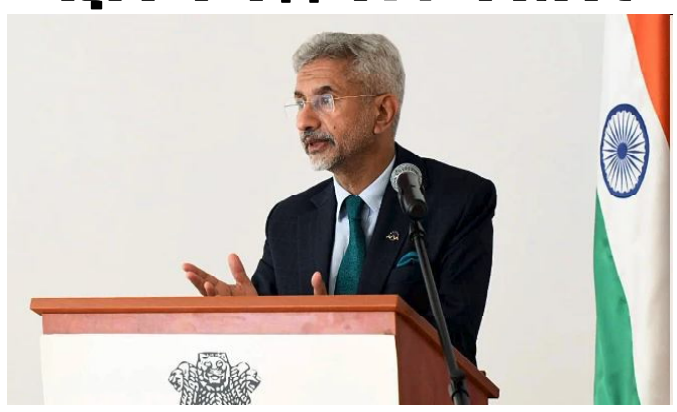

नयी दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को कहा कि क्वाड का विस्तारित एजेंडा हिंद–प्रशांत क्षेत्र में अधिक समशद्धि को बढ़ावा देने और स्थिरता सुनिश्चित करने के घोषित इरादे की पुष्टि करता है और इसके सदस्यों के बीच संबंधों के संरचनात्मक पहलुओं में समानता ने मंच को बढ़ावा देने में मदद की है। 'ऑस्ट्रेलियन नेशनल यूनिवर्सिटी' में वार्षिक जेजी क्रॉफर्ड व्याख्यान देते हुए जयशंकर ने विश्व स्तर पर आ रहे कई बदलावों को लेकर चर्चा की और कहा कि दुनिया कुछ बड़ा करने के कगार पर है तथा हिंद–प्रशांत क्षेत्र की इसमें बड़ी भूमिका होगी।

उन्होंने कहा, ''हिंद–प्रशांत क्षेत्र में भू–राजनीतिक अस्थिरता, अफगानिस्तान की जटिल स्थिति और कोविड–19 महामारी के बड़े परिणाम ऐसे तीन मौजूदा उदाहरण हैं।'' क्वाड समूह में अमेरिका, भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया शामिल हैं। विदेश मंत्री ने क्वाड का उल्लेख करते हुए कहा कि इसके कार्यों में वैश्वीकरण के परिणामों औरदुनिया के आम लोगों की आवश्यकताओं और परस्पर हितों की अभिव्यक्ति को ध्यान में रखा गया है।

केरल में निपाह वायरस का कहर, संक्रमण के सम्पर्क में आए लोगों का पता लगा रही टीम

कोझिकोड (केरल)। केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीणा जॉर्ज ने सोमवार को इस बात पर जोर दिया कि राज्य का स्वास्थ्य विभाग निपाह वायरस की उत्पत्ति के संबंध में पता लगाने तथा इसके सम्पर्क में आए लोगों की पहचान करने को प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि ऐसी आशंका है कि निपाह के कारण जान गंवाने वाले 12 साल के लड़के के सम्पर्क में कई लोग आए होंगे। जॉर्ज ने पत्रकारों से कहा कि लड़के के सम्पर्क में आए 20 लोगों में से सात लोगों के नमूने पुणे के राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान (एनआईवी) भेजे गए हैं। लड़के की रविवार सुबह निपाह से संक्रमित होने के बाद मौत हो गई थी। उन्होंने कहा, ''संक्रमण के सम्पर्क में आए लोगों की तीव्रता से पहचान सबसे जरूरी है। हम जमीनी स्तर पर काम कर रहे अपने कर्मचारियों को इसके लिए विशेष प्रशिक्षण दे रहे हैं। संक्रमण की उत्पत्ति का पता लगाना भी उतना ही आवश्यक है। हमने कल 188 लोगों की पहचान की थी।

ऐसा हो सकता है कि इसके सम्पर्क में और लोग आए हों। हम सभी का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि लड़के के सम्पर्क में आए लोगों की संख्या बढ़ने की आशंका है, क्योंकि उसके माता–पिता पहले उसे एक क्लिनिक, फिर एक निजी अस्पताल, फिर एक मेडिकल कॉलेज और वहां से फिर एक अन्य निजी अस्पताल ले गए थे। जॉर्ज ने कहा, ''लड़के के सम्पर्क में आए 20 लोगों में से सात के नमूने जांच के लिए पुणे के एनआईवी भेजे गए हैं। हम उनकी रिपोर्ट कल आने की उम्मीद कर रहे हैं। हमने भोपाल के एनआईवी से भी मदद मांगी है। पुणे एनआईवी आज कोझिकोड में एक जांच केन्द्र भी स्थापित करेगा, जिससे जांच के नतीजे जल्द आने में मदद मिलेगी।'' कोझिकोड जिले में 12 साल के एक लड़के की निपाह वायरस संक्रमण के कारण रविवार सुबह मौत हो गई। राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान को भेजे गए नमूने में उसके इस वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई थी। मंत्री ने रविवार को बताया था कि बच्चे के घर के तीन किलोमीटर के दायरे को निरूद्ध क्षेत्र घोषित किया गया है। वहीं, इससे लगे इलाके भी कड़ी निगरानी में हैं। बच्चे के सम्पर्क में आए दो स्वास्थ्य कर्मियों में निपाह वायरस के संक्रमण के लक्षण पाए गए हैं।

डी.ईआई.एड. पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए उम्मीदवारों की अस्थायी योग्यता सूची प्रदर्शित

पोर्ट ब्लेयर, 5 सितम्बर।

शिक्षा सत्र 2021–22 के लिए यहां के गाराचरामा के डॉ. एस. राधाकृष्णन जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) में दो वर्ष के डी.ईआई.एड. पाठ्यक्रम में दाखिला लेने के इच्छुक उम्मीदवारों की अस्थायी योग्यता सूची कॉमन कॉलेज अडमिशन पोर्टल http://collegeadmission.andaman.gov.in तथा गाराचरामा स्थित 'डाइट' के सूचना पट्ट पर कल 6 सितम्बर, 2021 को प्रदर्शित कर दी जायेगी। योग्यता सूची में यदि कोई दावे एवं आपत्तियां हैं तो उम्मीदवार ई–मेल आईडी prdiet2012@gmail.com के माध्यम से अपनी शिकायतों को भेज सकते हैं अथवा गाराचरामा स्थित डाइट के प्रधानाचार्य के पास जमा करवा सकते हैं। दावे व आपत्तियों को कल 6 से 9 सितम्बर, 2021 को शाम 5 बजे तक जमा करवाना होगा। 10 सितम्बर, 2021 को अंतिम योग्यता सूची प्रकाशित की जायेगी। दाखिले के लिए उम्मीदवारों का परामर्श 13 से 16 सितम्बर, 2021 तक होगा। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार इस बारे में और अधिक जानकारी के लिए फोन नम्बरों–9434275511, 9434272428, 9474243350 पर सम्पर्क किया जा सकता हैं।

द्वीपसमूह का गौरव एसो अल्बेन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपना दमखम दिखाने के लिए तैयार है

9 सितंबर से शुरू होने वाले कोलंबिया में यूसीआई ट्रैक नेशंस कप में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे

पोर्ट ब्लेयर, 4 सितंबर।

द्वीपवासियों के लिए यह गर्व का क्षण है कि 9 से 12 सितंबर, 2021 तक कैली कोलंबिया में होने वाले यूसीआई ट्रैक नेशंस कप यानी ट्रैक कप कैली 2021 (विश्व कप) में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए सर्वश्रेष्ठ साइकिलिस्ट मास्टर एसो एल्बेन का चयन किया गया है। कोलंबिया के लिए आगे बढ़ेंगे और स्प्रिंट, कीरिन और टीम स्प्रिंट जैसे तीन इवेंट्स में भाग लेंगे। मास्टर एसो अल्बेन कार निकोबार के किन्यूका गांव के हैं और सत्र 2015–2016 के दौरान आईजी स्टेडियम नई दिल्ली में भारतीय खेल प्राधिकरण राष्ट्रीय साइकिलिंग अकादमी (एसएआईएनसीए) में शामिल हुए। वह एक जूनियर विश्व चैंपियन है और प्रतिष्ठित 'बाल शक्ति पुरस्कार' 2019 से सम्मानित हैं।

यहां यह उल्लेखनीय है कि अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र में उनकी पहली उपस्थिति मलेशिया साइक्लिंग चैम्पियनशिप अंडर–18 थी, जिसमें उन्होंने इतिहास रचा और देश को केरिन, स्प्रिंट और टीम स्प्रिंट स्पर्धाओं में प्रत्येक में एक–एक सहित 3 स्वर्ण जीतने वाले पहले भारतीय जूनियर साइकिलिस्ट होने का गौरव प्राप्त हुआ। तब से वे विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय साइकिलिंग चैंपियनशिप में भी अपनी क्षमता का प्रदर्शन कर रहे हैं और पूरे देश और द्वीपों को गौरवान्वित किया है।

खेल और युवा कार्य विभाग से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इसी तरह मास्टर डेविड बेकहम भी अंडमान निकोबार द्वीपसमूह के एक जूनियर राइडर हैं और उन्होंने ग्रीस के काहिरा में जूनियर वर्ल्ड साइक्लिंग चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व किया था और कीरिन इवेंट में चौथा स्थान हासिल किया था। अंडमान निकोबार प्रशासन की ओर से खेल और युवा कार्य विभाग ने भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए मास्टर डेविड बेकहम को बधाई दी है और कैली कोलंबिया में बेहतर प्रदर्शन के लिए यूसीआई कप के लिए मास्टर एसो को शुभकामनाएं भी दी हैं।

2025 तक क्षय रोग का उन्मूलन

जिला प्रशासन द्वारा टीबी के छिपे हुए मामलों की पहचान के लिए दक्षिण अंडमान जिले में सर्वेक्षण

पोर्ट ब्लेयर, 6 सितंबर।

2025 तक क्षय रोग को खत्म करने के उद्देश्य से माननीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री ने 2 सितंबर, 2021 को दो महीने का सक्रिय केस फाइंडिंग अभियान और निक्षय पोषण योजना, प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) अभियान शुरू किया। अभियान के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के तहत दक्षिण अंडमान की जिला स्वास्थ्य संस्था के माध्यम से जिला प्रशासन और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन 2 सितंबर से पूरे दक्षिण अंडमान जिले में दो महीने का लंबा सर्वेक्षण कर रहा है, जो 29 अक्टूबर, 2021 तक तपेदिक के छिपे हुए मामलों की पहचान करने के लिए जारी रहेगा। जिला प्रशासन पहले से ही टीबी रोगियों के बैंक खातों में प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) मोड के माध्यम से निक्षय पोषण योजना अनुदान वितरित कर रहा है और अभियान के दौरान डीबीटी के माध्यम से 100 प्रतिशत निक्षा पोषण योजना का लक्ष्य सुनिश्चित करेगा। जिले के विभिन्न संस्थानों, कारागार, अनाथालय, वृद्धाश्रम, निर्माण कार्य स्थल, ऑटो चालक संघ आदि के साथ–साथ संबंधित स्वास्थ्य सुविधाओं के एएनएम और आशा कार्यकर्ता भी अपने अधिकार क्षेत्र का सर्वेक्षण सुनिश्चित करेंगे।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार दक्षिण अंडमान के उपायुक्त श्री सुनील अंचिपाका ने दक्षिण अंडमान के लोगों से टीबी सर्वेक्षण के दौरान फील्ड स्टाफ के साथ सहयोग करने का आग्रह किया है और यदि कोई संदिग्ध मामले पाए जाते हैं, तो वे क्षय रोग के उन्मूलन के लिए प्रशासन के साथ सहयोग करने के लिए निकटतम स्वास्थ्य केंद्रों में इसका परीक्षण करवा सकते हैं।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण ...

पृष्ठ 1 का शेष

मंत्रालय के समसंख्यक दिनांक 29 जून, 2021 के आदेश और जो 30 सितंबर, 2021 तक लागू रहेंगे।

इस आदेश के परिणामस्वरूप आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 की धारा 24(1) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अंडमान निकोबार प्रशासन के मुख्य सचिव श्री जितेंद्र नरेन, संघ राज्य क्षेत्र अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह के लिए केंद्रशासित प्रदेश आपदा प्रबंधन कार्यकारी समिति के अध्यक्ष के पद पर कार्यरत हैं, ने 28 जून, 2021 को स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी की गई सलाह के अनुसार कोविड–19 प्रबंधन के लिए रोकथाम उपायों का अनुपालन सुनिश्चित करने का आदेश दिया है, जो पूरे अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह के लिए 30 सितंबर, 2021 तक लागू रहेगा। संबंधित उपायुक्त और विभाग आदेशों को लागू करने के लिए आवश्यक मानक संचालन प्रक्रिया जारी कर सकते हैं।

कक्षा 6वीं से 8वीं ....

पृष्ठ 1 का शेष

(एमजीजीसी) के लिए भी 6 सितंबर, 2021 से कक्षाएं शुरू की जाएंगी।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा दिनांक 5 फरवरी, 2021 को जारी दिशा–निर्देशों का सभी उच्च शिक्षण संस्थानों में कड़ाई से पालन किया जाएगा। इसी तरह शिक्षा निदेशालय द्वारा आदेश संख्या–1562 दिनांक 4 सितंबर, 2021 द्वारा जारी एसओपी (मानक संचालन प्रक्रिया) का पालन कोविड–19 प्रोटोकॉल का पालन करने के लिए किया जाएगा। सामाजिक दूरी बनाए रखने और कोविड–19 के संचरण को रोकने के लिए हितधारकों और संबंधित पीटीए के परामर्श से प्रत्येक कक्षा के समय को कम करने की प्रक्रिया को उच्च शिक्षण संस्थानों और स्कूलों के प्रबंधन के लिए लचीला बनाया गया है।

संयुक्त सचिव (उच्च शिक्षा) सह निदेशक (शिक्षा) से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार उच्च शिक्षण संस्थानों और कक्षा 6वीं से 8वीं तक के मिडिल स्कूल दोनों के छात्रों को माता–पिता और अभिभावकों की लिखित सहमति से ही स्कूल में उपस्थित होने की अनुमति दी जायेगी।

सेवा से बर्खास्तगी....

पृष्ठ 1 का शेष

कर दी गई है। जांच प्रतिवेदन में आरोप सिद्ध हुए। अतः अंडमान निकोबार द्वीपसमूह के माननीय उप राज्यपाल ने कड़ी कार्रवाई करते हुए अधिकारी को तत्काल प्रभाव से बर्खास्त करने का आदेश दिया है। इसके साथ ही अधिकारी किसी भी पेंशन लाभ का हकदार नहीं होगा और साथ ही वह किसी अन्य सरकारी नौकरी के लिए पात्र नहीं होगा।

अंडमान और निकोबार प्रशासन द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार यह भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए प्रशासन के सख्त रुख का एक और चमकदार उदाहरण है। इससे प्रशासन के अन्य सभी अधिकारियों को भी कड़ा संदेश जाएगा और निवारक सतर्कता सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी।

इस बीच यदि जनता के किसी सदस्य को प्रशासन के किसी अधिकारी या कर्मचारी के खिलाफ भ्रष्टाचार से संबंधित कोई शिकायत है, तो उसे फोन नंबर 03192–240840 पर सूचित किया जा सकता है। शिकायतकर्ता की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

विमान एवं अंतर्द्वीपीय...

पृष्ठ 1 का शेष

और आने वाले 84 व्यक्तियों का रैपिड एंटिजेन टेस्ट किया गया और सभी नेगेटीव पाये गये। होप टाउन में एम.वी. कालीघाट के नाविक सदस्यों का आरटीपीसीआर परीक्षण किया गया और रिपोर्ट का इंतज़ार है। मोहनपुरा बस अड्डे में 171 तथा हेलीपेड में 10 यात्रियों का परीक्षण किया गया और सभी रिपोर्ट नेगेटीव पायी गयी।

'अनिम्स' के निदेशक डॉ. ए.के. मंडल ने बताया कि जी.बी. पंत अस्पताल में एक कोविड पॉजिटीव मरीज का इलाज चल रहा है। स्वास्थ्य विभाग के उप निदेशक डॉ. अमिताभ डे तथा उप निदेशक (सूचना प्रचार) श्री आर.एस. मीणा भी प्रेस ब्रीफिंग के दौरान उपस्थित थे।

Garbage Complaint 24x7
Call Now 03192- 231179
PBMC Control Room

पैरालंपिक खिलाड़ियों की मेजबानी करेंगे प्रधानमंत्री मोदी, खेल मंत्री ने दी जानकारी

बेंगलुरू। केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पैरालंपिक खिलाड़ियों के स्वदेश लौटने पर उनकी मेजबानी करेंगे। खिलाड़ियों को समय देने के लिये प्रधानमंत्री की प्रशंसा करते हुए ठाकुर ने कहा, ''उन्होंने (प्रधानमंत्री) ने ओलंपियन की भारत लौटने पर मेजबानी की थी, वह पैरालंपियन के लौटने पर भी ऐसा करेंगे।'' ठाकुर ने इसके साथ ही सभी राष्ट्रीय खेल महासंघों से 2024 और 2028 में होने वाले ओलंपिक खेलों के लिये बड़ी योजनाएं बनाने के लिये कहा ताकि भारत आगे भी अपनी स्थिति में सुधार कर सके। ठाकुर ने संवाददाताओं से कहा, 'सभी खेल महासंघों को महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी और हमें बड़ी योजनाएं तैयार करने के लिये मिलकर काम करना होगा ताकि 2024 और 2028 ओलंपिक खेलों में भारत की स्थिति में आगे और सुधार हो।''

ठाकुर यहां कई कार्यक्रमों में भाग लेने के लिये आये हुए हैं जिनमें खिलाड़ियों से मिलना भी शामिल है। उन्होंने कहा कि सरकार ने खिलाड़ियों को महत्व दिया जिससे लोगों का खेलों के प्रति धारणा बदली है। इसी का परिणाम है कि भारत ने ओलंपिक और पैरालंपिक में अच्छा प्रदर्शन किया। ठाकुर ने कहा, ''सबसे अहम बात है कि खेलों के प्रति रवैया बदलना। जब सरकार प्रत्येक तरह की सुविधाएं उपलब्ध करा रही है, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं खिलाड़ियों से बात करके उन्हें प्रोत्साहित करते हैं तो इससे पूरे समाज के प्रत्येक वर्ग पर प्रभाव पड़ता है फिर चाहे वह कोई व्यक्ति हो, कारपोरेट या खेल संघ या कोई और संगठन।

पैरालंपिक में भाग लेने की ख्वाहिश थी, पदक जीतना वरदान की तरह:कृष्णा नागर

तोक्यो। भारतीय पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी कृष्णा नागर ने रविवार को कहा कि वह पैरालंपिक खेलों में भाग लेकर ही सातवें आसमान पर थे लेकिन रविवार को इसमें पदक जीतना उनके लिए किसी वरदान की तरह है। दूसरे वरीय नागर ने हांगकांग के चू मैन काई को पुरुषों की एकल एसएच6 क्लास के तीन गेम तक चले रोमांचक फाइनल में शिकस्त दी। नागर को छोटे कद का विकार है। जयपुर के नागर ने अपने प्रतिद्वंद्वी को 21–17 16–21 21–17 से हराया। इस तरह वह बैडमिंटन में स्वर्ण पदक जीतने की सूची में हमवतन प्रमोद भगत के साथ शामिल हो गये। इस 22 साल के खिलाड़ी ने कहा, '' ओलंपिक या पैरालंपिक पदक बहुत बड़ी चीज है। हमने वादा किया था कि हम पांच–छह पदक जीतेंगे और हमने चार पदक जीते हैं।

एक या दो प्रदर्शन थोड़ा ऊपर और नीचे रहा लेकिन हम आने वाले प्रतियोगिताओं में उस मोर्चे पर सुधार करेंगे।'' उन्होंने कहा, '' पैरालंपिक में प्रतिस्पर्धा एक बड़ी उपलब्धि है और हमने पहले सत्र (बैडमिंटन को पहली बार पैरालंपिक खेलों में शामिल किया गया है) में ही पदक जीते है। हम भाग्यशाली है, यह एक बड़ी उपलब्धि है।''

फाइनल के बारे में उन्होंने कहा, '' मेरी मानसिकता थी कि मुझे सकारात्मक रहना है। मैंने मैच के दौरान ज्यादा गलतियां नहीं की लेकिन दूसरे गेम में जब थोड़ा नकारात्मक हो गया था तब दबाव में आ गया था।'' उन्होंने कहा, ''दूसरा गेम गंवाने के बाद मैं तीसरे गेम में मैंने वापसी की और फिर मेरे लिये चीजों ठीक रही।

सिद्धार्थ शुक्ला के परिवार ने अत्यधिक संवेदनशीलता दिखाने के लिए मुंबई पुलिस का किया धन्यवाद

मुंबई। दिवंगत अभिनेता सिद्धार्थ शुक्ला के परिवार ने सोमवार को एक बयान जारी कर उनकी सुरक्षा करने और अत्यधिक संवेदनशीलता दिखाने के लिए मुंबई पुलिस को धन्यवाद दिया। लोकप्रिय टेलीविजन धारावाहिक "बालिका वधू"और "बिग बॉस 13" के जरिए दर्शकों के बीच अपनी खास पहचान बनाने वाले 40 वर्षीय अभिनेता का बृहस्पतिवार को दिल का दौरा पड़ने के कारण निधन हो गया। सिद्धार्थ के आकस्मिक निधन से कलाकारों पर पड़ने वाले दबाव को लेकर एक नयी बहस शुरू हो गयी है, उनके निधन को लेकर कुछ आशंकाएं भी जताई जा रही हैं। सिद्धार्थ के परिवार ने अपने बयान में अभिनेता के प्रशंसकों और शुभचिंतकों का भी शुक्रिया अदा किया।

दिवंगत अभिनेता के परिवार ने कहा, '' हम उन सभी लोगों के प्रति हार्दिक आभार प्रकट करते हैं, जिन्होंने सिद्धार्थ को बेहद प्यार दिया और उसकी यात्रा का हिस्सा रहे हैं। निश्चित रूप से यह सफर यहीं समाप्त नहीं होता है, क्योंकि वह हमेशा हमारे दिलों में रहेगा।'' सिद्धार्थ के परिवार ने कहा, ''मुंबई पुलिस को उनकी संवेदनशीलता और करुणा के लिए विशेष रूप से धन्यवाद। वे हमारे लिए एक ढाल की तरह रहे, हमारी रक्षा की और पूरे दिन हमारे साथ खड़े रहे। कृपया सिद्धार्थ को अपनी यादों और प्रार्थनाओं में रखें।''

पुलिस और अस्पताल के सूत्रों के मुताबिक, सिद्धार्थ के शरीर पर कोई बाहरी चोट के निशान नहीं थे और शुरुआती रिपोर्ट में अप्राकृतिक मौत के कोई संकेत नहीं मिले। सिद्धार्थ के परिवार में उनकी मां और दो बहनें हैं। मॉडल से अभिनेता बने सिद्धार्थ ने टेलीविजन शो ''बाबुल का आंगन छूटे ना'' में मुख्य भूमिका के साथ अपने करियर की शुरुआत की और "बालिका वधू" से लोकप्रियता हासिल की।

अनुसूचित जनजाति ... पृष्ठ 1 का शेष

ऑनलाइन आवेदन करने की सलाह दी गई है। अतिरिक्त छात्रवृत्ति का मूल्य 1000 रुपये (एक हजार रुपये मात्र) प्रति माह है, जिसका भुगतान योग्य छात्रों को एनएसपी/पीएफएमएस के माध्यम से किया जाएगा। अतिरिक्त छात्रवृत्ति दस माह के शैक्षणिक सत्र में देय होगी। यह सामान्य रूप से पिछले शैक्षणिक सत्र के उत्तीर्ण छात्रों के लिए स्वीकार्य होगा।

आदिम जाति कल्याण निदेशक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार योजना के तहत छात्रवृत्ति के लिए ऑनलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 30 नवंबर, 2021 है।

आवेदकों को कड़ाई से सलाह दी जाती है कि वे पंजीकरण और आवेदन पत्र भरते समय श्वेबीमउम जलचमश ड्रॉप डाउन बॉक्स के तहत "incentive scheme" चुनें। इसके अलावा उन्हें केवल सक्रिय बैंक खाते का विवरण देने की भी सलाह दी जाती है, जो सक्रिय मोड में रहता है और बैंक के निर्देशों के अनुरूप है, ताकि छात्रवृत्ति का भुगतान विफल न हो।

ऑनलाइन आवेदन भरने के लिए विस्तृत निर्देश और अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (एफएक्यू) राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल के होमपेज पर उपलब्ध हैं। किसी भी अन्य स्पष्टीकरण के लिए पात्र अनुसूचित जनजाति के छात्र अपने कॉलेज या संस्थान के विभाग प्रमुख या जनजातीय कल्याण निदेशालय के कनिष्ठ अनुसंधान अधिकारी से फोन पर 9933210933 पर या ईमेल director.tribal@gmail.com के माध्यम से संपर्क कर सकते हैं।

मालिक, प्रकाशक व सम्पादक – श्याम सिंह यादव, एम.बी–22, आब्रडीन विलेज, पोर्ट ब्लेयर, साउथ अण्डमान, मो. नं. 9932082213, Email:**dweepmanthan.in@gmail.com**
मुद्रित द्वारा, एम/एस. साक्षी प्रिन्टर व पब्लिसर्स, विपरीत चिन्माया मिशन, पोस्ट–शादीपुर, पुलिस लाइन रोड, पोर्ट ब्लेयर, साउथ अण्डमान, फैक्स –03192–235327
प्रकाशित एम/एस. साक्षी प्रिन्टर व पब्लिसर्स, विपरीत चिन्माया मिशन, पोस्ट–शादीपुर, पुलिस लाइन रोड, पोर्ट ब्लेयर, साउथ अण्डमान से